ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
डा० राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)

बुलेटिन संख्या–४४
दिनांक– शुक्रवार, २२ जून, २०१८

टेलीफोन – ०६२७४–२४०२६६

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेद्यशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः ३८.१ एवं २६.६ डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता ८१ सुबह में एवं दोपहर में ५१ प्रतिशत, हवा की औसत गति ५.६ कि०मी० प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पण ५.८ मि०मी० तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन ८.७ घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा ५ से०मी० की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में ३०.३ एवं दोपहर में ३८.४ डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में मौसम शुष्क रहा।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(२३ से २७ जून, २०१८)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा०आर०पी०सी०ए०यू०, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी २३ से २७ जून २०१८ तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः–

- अगले १–२ दिनों के बाद वर्तमान मौसम के ऐसी स्थिति (लू एवं अल्पावृष्टि/अनावृष्टि) में बदलाव आने की संभावना है तथा उत्तर बिहार के जिलों में वर्षा की सक्रियता में वृद्धि हो सकती है। अगले २७ जून तक तराई तथा मैदानी भागों के जिलों में औसतन ३० से ४० मि०मी० वर्षा होने की संभावना है। मधुबनी, दरभंगा, सीतामढ़ी एवं पश्चिमी चम्पारण जिलों में इससे अधिक वर्षा हो सकती है।
- दिन के तापमान में इस अवधि में अगले २७ जून तक २ से ४ डिग्री सेल्सियस की गिरावट आ सकती है। पूर्वानुमानित अवधि में अधिकतम तापमान ३४ से ३७ डिग्री सेल्सियस के आसपास रह सकता है, जबकि न्यूनतम तापमान २५ से २६ डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है।
- औसतन १० से १५ कि०मी० प्रति घंटा की रफ्तार से पूरवा हवा चलने का अनुमान है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में करीब ७५ से ६५ प्रतिशत तथा दोपहर में ३५ से ६५ प्रतिशत रहने की संभावना है।

समसामयिक सुझाव

- यदि खेत में नमी की काफी कमी है, ऐसी स्थिति में सब्जियाँ तथा अन्य फसलों में अविलम्ब सिंचाई करें। जिस खेत में थोड़ी नमी है, उसमें १–२ दिनों के बाद वर्षा की संभावना को देखते हुए सिंचाई स्थगित रखें।
- वर्षा की समभावना को देखते हुए किसानों को सलाह दी जाती है कि तैयार गरमा मक्का की कटाई, दौनी तथा अनाज सुखाने का कार्य सावधानीपूर्वक करें ।
- पूर्वानुमानित अवधि में वर्षा की अच्छी संभावना को देखते हुए किसान भाई अपने खेतों में मेड़ों को मजबूत बनाने का कार्य करें। धान की बीजस्थली में जो बिचड़े १० से १५ दिनो के हो गये हो, खर–पतवार निकाल कर तथा प्रति एक हजार वर्ग मीटर बीजस्थली के लिए ५ किलो अमोनियम सल्फेट अथवा २ किलो यूरिया का उपरिवेशन करें।
- खरीफ मौसम की सब्जियाँ जैसे– कद्दू, नेनुआ, झींगली, खीरा लगाने के मौसम अनुकुल है। इसके लिए किसान भाई मिट्टी परिक्षण के आधार पर ही खाद का प्रयोग करें। मिट्टी परिक्षण न होने की स्थिति में प्रति हेक्टेयर २०–२५ टन सढ़ा हुआ गोबर की खाद का प्रयोग करें। प्रति हेक्टेयर ६० किलो ग्राम नेत्रजन, ५० किलो ग्राम फॉस्फोरस एवं ४० किलो ग्राम स्फूर का उपयोग करें। फसल ३ मी० x १ मी० की दूरी पर लगायें। प्रति थाल २–३ मी० बीच पर बोयें।
- बरसाती भिंडी फसल लगाने का समय अनुकूल है। इसके लिए अर्का अभय, पंत भिडी–१, काशी लीला किस्में उपयुक्त है। इस फसल में मौजेक एवं फल छेदक कीट काफी नूकसान पहुचाते है। रोकथाम के लिए मैलाथियन दवा का २ से २.५ मि०ली० प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर १५ दिन के अन्तराल पर छिड़काव करें।
- प्याज की बीजस्थली में जहाँ बिचड़े १५ से २० दिनो के हो गये हो, उसमे से खर–पतवार निकालें। पौधशाला को तेज धूप से बचाने के लिए ४० % छायादार नेट से ६–७ फीट की ऊचाई पर ढ़क सकते है।
- वर्षा ऋतु के आरंभ में तापमान तथा अधिक नमी के कारण दुधारु पशुओं में चमोकन एवं अठगोड़वा का प्रकोप बढ़ जाता है। चमोकन एवं अठगोड़वा घातक रक्त परजीवी विमारियों सर्रा, थलेरियोसीस, वबेसियोसिस एवं एनाप्लाजमोसिस के वाहक हैं। इनके नियत्रंण के लिए फ्लूमेथ्रिन, आइवरमेक्टीन, अमितराज दवाओं का प्रयोग करें। साथ ही बाढ़े में भी छिड़काव करें। लू से प्रभावित पशुओं को ORT-LRG, प्रोब्लेन्ड, इन्टालाइट ओरल इत्यादि दवा पिलायें।

आज का अधिकतम तापमानः ३९.० डिग्री सेल्सियस, सामान्य से ४.४ डिग्री सेल्सियस अधिक	आज का न्यूनतम तापमानः २७.४ डिग्री सेल्सियस, सामान्य से २.१ डिग्री सेल्सियस अधिक

(डॉ० ए. सत्तार)
नोडल पदाधिकारी